

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3724
उत्तर देने की तारीख 24 मार्च, 2025
3 चैत्र, 1947 (शक)

अंतर्राज्यीय युवा परस्पर संपर्क कार्यक्रम का उद्देश्य

†3724. श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:

श्री लुम्बाराम चौधरी:

श्री भोजराज नाग:

श्रीमती रूपकुमारी चौधरी:

श्रीमती भारती पारधी:

श्री कंवर सिंह तंवर :

श्री माधवनेनी रघुनंदन राव:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश भर में आयोजित किए जा रहे अंतर्राज्यीय युवा परस्पर संपर्क कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है और व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने विभिन्न राज्यों, विशेषकर उत्तर प्रदेश में उक्त युवा कार्यक्रमों के प्रभाव का आकलन किया है;

(ग) यदि हां, तो उक्त प्रभाव का आकलन किस प्रकार किया जा रहा है;

(घ) क्या ऐसी पहलों में विशेषकर महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अमरोहा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के वंचित और ग्रामीण पृष्ठभूमि से संबंधित युवाओं की भागीदारी बढ़ाने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या विभिन्न राज्यों में ऐसे सांस्कृतिक परस्पर संपर्क कार्यक्रमों, कौशल विकास और नागरिक सहभागिता की अनुवर्ती कार्रवाई में भागीदारों के लिए कौशल विकास अथवा रोजगार के कोई अवसर सृजित किए जाने की संभावना है;

(च) यदि हां, तो इस संबंध में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा क्या भूमिका निभाए जाने की संभावना है; और

(छ) विभिन्न सांस्कृतिक और भाषाई पृष्ठभूमि के युवाओं के बीच आपसी समझ और सम्मान को बढ़ावा देने के लिए किस तरह से कार्यक्रमों को बनाया गया है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है। अंतर-राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (आईएसवाईपी) वार्षिक कार्य योजना 2024-25 के तहत एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों का हिस्सा है। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, प्रत्येक कार्यक्रम में एक राज्य से 02 एस्कॉर्ट्स के साथ 25 प्रतिभागी दूसरे (मेजबान) राज्य में भाग लेते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता का जश्न मनाना और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से मौजूद भावनात्मक लगाव के ताने-बाने को बनाए रखना और मजबूत करना, सभी भारतीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के बीच गहन और संरचित जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देना, लोगों को देश की विविधता को समझने और उसको महत्व देने में सक्षम बनाने के लिए किसी भी राज्य की समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं को प्रदर्शित करना, दीर्घकालिक जुड़ाव स्थापित करना और ऐसा माहौल बनाना जो सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करके राज्यों के बीच सीखने को बढ़ावा दे, युग्म वाले राज्यों में रहने वाले लोगों के पर्यावरण, पारिवारिक जीवन, सामाजिक रीति-रिवाजों आदि से परिचित कराये और युवाओं में सांप्रदायिक सद्भाव की भावना पैदा करे।

(ख) एवं (ग) उत्तर प्रदेश के कार्यक्रम सहित सभी अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों में एक संरचित फीडबैक तंत्र है, जहां कार्यक्रम पूरा होने के बाद, एक निर्धारित प्रपत्र के माध्यम से प्रतिभागियों का फीडबैक और सुझाव प्राप्त किए जाते हैं।

(घ) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के अमरोहा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में आयोजित कार्यक्रम सहित अंतरराज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के प्रतिभागियों को दूसरे राज्य (युग्मित/अतिथि राज्य) से शामिल किया जाता है और सभी क्षेत्रों के युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाता है।

(ङ) जबकि कौशल विकास और रोजगार ऐसे कार्यक्रमों का प्राथमिक फोकस नहीं हैं, सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम सामुदायिक विकास और नागरिक सहभागिता में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों और स्थानीय परियोजनाओं में सक्रिय भागीदारी जैसी पहलों के माध्यम से, प्रतिभागियों को मूल्यवान अनुभव प्राप्त होते हैं जो उनकी सामाजिक जागरूकता, नेतृत्व कौशल और समाज में सार्थक योगदान करने की क्षमता को बढ़ाते हैं। ये गतिविधियाँ व्यक्तिगत विकास के अवसर पैदा करती हैं और युवाओं को अपने समुदायों में भूमिकाएँ निभाने के लिए सशक्त बनाती हैं।

(च) उपर्युक्त (ङ) के उत्तर के परिप्रेक्ष्य में यह प्रश्न नहीं उठता।

(छ) अंतर-राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम की गतिविधियों को युवाओं के बीच समझ और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। मुख्य गतिविधियों में कार्य शिविर/श्रमदान, युग्मित राज्यों की भाषा सीखना, सांस्कृतिक आदान-प्रदान, क्षेत्रीय व्यंजनों और पाक परंपराओं से परिचय और स्थानीय परिवारों और युवाओं के साथ संवाद शामिल हैं।